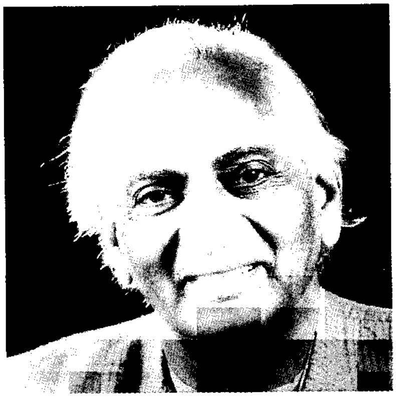

## लक्ष्मण कृष्णराव पंडित

### अकादेमी पुरस्कारः हिन्दुस्तानी संगीत (गायन)

1934 में ग्वालियर, मध्यप्रदेश में जन्मे श्री लक्ष्मण कृष्णराव पंडित ने गायन में दीक्षा ग्वालियर घराने के गायक अपने पिता श्री कृष्णराव शंकर पंडित से प्राप्त की। विगत अनेक दशकों में आपने ग्वालियर घराने के एक विशिष्ट प्रतिपादक के रूप में अपनी पहचान बना ली है।

अनेक वर्षों तक शंकर गंधर्व विद्यालय में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण देने के बाद आपने 1961 से 1976 के मध्य आकाशवाणी के संगीत निर्देशक के रूप में कार्य किया। तत्पश्चात् आपने दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत एवं ललित कला संभाग में प्राचार्य के रूप में विशिष्ट योगदान दिया। आपने अनेक सुपरिचित गायकों को प्रतिष्ठित किया।

श्री लक्ष्मण कृष्णराव पंडित के पास खयाल, तराना और टप्पा गायकी का एक विशाल भंडार है, जिसे संगीत के अनेक अभिलेखागारों के लिए एकत्र किया गया है। आपको एक बड़ी संख्या में प्रकाशनों का श्रेय भी प्राप्त है। आपको अनेक कला संगठनों से विभिन्न सम्मान प्राप्त हुए हैं।

श्री लक्ष्मण कृष्णराव पंडित को हिन्दुस्तानी गायन संगीत में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

## LAXMAN KRISHNARAO PANDIT

### Akademi Award: Hindustani Vocal Music

Born in 1934 in Gwalior, Madhya Pradesh, Shri Laxman Krishnarao Pandit received his training in Hindustani vocal music from his father Krishnarao Shankar Pandit of the Gwalior gharana. Over the past several decades he has distinguished himself as an exponent of the music of his gharana.

Shri Laxman Krishnarao Pandit taught at the Shankar Gandharva Vidyalaya, Gwalior, for several years and subsequently worked as Producer (Music) in All India Radio from 1961 to 1976. He was later Professor in the Faculty of Music and Fine Arts, University of Delhi. He has groomed a number of well-known vocalists.

Shri Pandit has a large repertoire of Khayals, Taranas and Tappas which he has recorded for various archives of music. He also has a number of publications to his credit. He has been honoured by various organizations.

Shri Laxman Krishnarao Pandit receives the Sangeet Natak Akademi Award for his contribution to Hindustani vocal music.